RESEARCH REVIEW JOURNALS
Volume-04
Issue-06
June-2019

ISSN: 2455-3085 (Online)
RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary
www.rrjournals.com[UGC Listed Journal]

बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता का उनके पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में अध्ययन

[1]डॉ0टी0सी0 पाण्डेय एवं [2]अश्वनी कुमार अवस्थी

[1]असिस्टेण्ट प्रोफेसर, बी0एड0 विभाग, एम0बी0 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्द्वानी, उत्तराखण्ड 263139
[2]असिस्टेण्ट प्रोफेसर, शिक्षक शिक्षा विभाग एस0एस0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय शाहजहापुर, उत्तर प्रदेश

ARTICLE DETAILS

Article History
Published Online: 12 June 2019

Keywords
समस्या समाधान योग्यता, पारिवारिक वातावरण.

***Corresponding Author**
Email: drtcpandey@gmail.com

ABSTRACT

प्रस्तुत शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता का उनके पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में अध्ययन करना है। शोध हेतु उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित शाहजहाँपुर जनपद के तीन बी0एड0 कालेजों में प्रशिक्षणरत 100 शिक्षक प्रशिक्षुओं का चयन स्तरीकृत न्यादर्श प्रतिचयन विधि द्वारा किया गया। समस्या समाधान योग्यता का मापन करने के लिए प्रो0 एल0एन0 दुबे एवं डॉ0 सी0पी0 माथुर एवं पारिवारिक वातावरण का मापन करने के लिए डॉ0 हरप्रीत भाटिया तथा डॉ0 एन0के0 चड़्डा द्वारा निर्मित व प्रमापीकृत मापनी का प्रयोग आँकड़ों को एकत्र करने के लिए किया गया। आँकड़ों के विश्लेषण के पश्चात पुरूष व महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता का उनके उच्च, मध्यम व निम्न पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में अध्ययन करने पर सार्थक अन्तर पाया गया।

प्रस्तावनाः—

बालक जब जन्म लेता है वह अबोध होता है, वह न बोलना जानता है, न चलना फिरना, उसका न कोई मित्र होता है न शत्रु। उसे समाज के रीति—रिवाज तथा परम्पराओं का ज्ञान नही होता है, परन्तु जैसे—जैसे वह बड़ा होता है, वैसे—वैसे उस पर शिक्षा के औपचारिक तथा अनौपचारिक साधनों का प्रभाव पड़ने लगता है। शिक्षा से जहाँ एक ओर व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक तथा संवेगात्मक विकास होता जाता है, वहीं दूसरी ओर उसमें सामाजिक भावना भी विकसित होती जाती है। परिणाम स्वरूप वह शनैः शनै प्रौढ़ व्यक्तियों के उत्तरदायित्व को सफलतापूर्वक निभाने के योग्य बन जाता है। इस प्रकार देखा गया कि बालक के व्यवहार में वांछनीय परिवर्तन करने के लिए स्वस्थ पारिवारिक वातावरण और शिक्षा परम आवश्यक है।

अच्छे पारिवारिक वातावरण में माता—पिता अपने बच्चों को पर्याप्त समय देते हैं। इसके साथ—साथ पारिवार के अन्य सदस्य भी बच्चों को प्रेम प्रदान करते हैं। जो उनके व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होता है। अच्छे पारिवारिक वातावरण में माता—पिता के द्वारा बच्चों को अनेक जिम्मेदारियाँ भी दी जाती हैं। इन जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुये बच्चों में समस्या समाधान की योग्यता का विकास होता है। जिन परिवारों का वातावरण अच्छा नही होता है उनके बच्चों का मनोवैज्ञानिक विकास भी प्रभावित होता है। इससे उनमें समस्या समाधान योग्यता भी विकसित नही हो पाती है। उन्हे छोटे से छोटा कार्य करने में परेशानी महसूस होती है।

प्रस्तुत शोध में यह जाननें का प्रयास किया गया है कि समस्या समाधान योग्यता पर उच्च पारिवारिक वातावरण, मध्यम पारिवारिक वातावरण तथा निम्न पारिवारिक वातावरण का क्या प्रभाव पड़ता है। यह जानना इसलिए भी आवश्यक है कि जो लोग समस्या समाधान योग्यता में निम्न होते हैं क्या वह लोग हमेशा निम्न रहेंगे या उनमें समस्या समाधान योग्यता का विकास किया जा सकता है। यदि विकास किया जा सकता है तो किस तरह के निम्न स्तर के बालकों में समस्या समाधान योग्यता के विकास हेतु प्रयास किये जायें कि वे लोग भी अपनी समस्या समाधान की योग्यता का विकास कर अपना नाम रोशन करें।

प्रस्तुत शोध कार्य **''बी0एड0 प्रषिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता का उनके पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में अध्ययन''** के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया गया है कि वास्तव में बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता पर पारिवारिक वातावरण का क्या प्रभाव पड़ रहा है।

अध्ययन की आवष्यकता

बालक कुछ मूलभूत मूल प्रवृत्तियां एवं आनुवांशिक गुणों के साथ जन्म लेता है। ज्यों—ज्यों वह बड़ा होता जाता है, त्यों—त्यों वह अपनी क्षमतानुसार अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने का प्रयास करता है। आवश्यकताओं की पूर्ति न हो पाने पर वह अन्य प्रतिस्थानापन्न विधियों एवं मनोंरचनाओं का प्रयोग करने लगता है। आयु में वृद्धि के साथ—साथ उसका सम्पर्क बाह्रय दुनियां से होता है य यथा— मित्र, स्कूल, समाज जहाँ पर अन्य संस्थाओं एवं लोगों के साथ उपलब्ध ज्ञान एवं क्षमता के अनुसार सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करता है। समाजीकरण की इस प्रक्रिया में पारिवारिक वातावरण से अर्जित ज्ञान का उपयोग कर उसमें परिमार्जन एवं वृद्धि करने का प्रयास करता है, लेकिन

बाल्यकालीन अनुभव उसके व्यवहार को निश्चित रूप से प्रभावित करते रहते हैं। इस बात पर कोई सन्देह नही कि परिवार में ही बालक चहुँमुखी विकास करता है। बालक के व्यक्तित्व पर उनके माता–पिता और अन्य पारिवारिक सदस्यों का प्रभाव पड़ता है। बचपन मानव जीवन का निर्णायक दौर होता है। जो तीव्र गति से विकसित होता है। बचपन का प्रारम्भिक समय बालक का शारीरिक, मानसिक, भावात्मक विकास के लिए निर्णायक दौर होता है। जिसके निर्धारण में बालक के पारिवारिक वातावरण की निर्णायक भूमिका होती है। पारिवारिक वातावरण एवं संतुलित संरक्षण बालक के अन्दर उत्पन्न विभिन्न संघर्षों के समाधान में निर्णायक होते हैं। पारिवारिक वातावरण व्यक्ति के व्यवहार, समस्या समाधान योग्यता, परिपक्वता, व्यक्तित्व एवं उसके समायोजन स्तर को निर्धारित एवं प्रभावित करता है एवं भावी जीवन की नीव रखता है।

बी0एड0 प्रशिक्षु समाज के भावी शिक्षक होते हैं। समाज को शिक्षा प्रदान करना उनका दायित्व होता है। समाज में व्याप्त कमियाँ एवं बुराइयों के प्रति लोगों को जागरूक करना भी इनका उत्तरदायित्व होता है। शिक्षक समाज के पथ प्रदर्शक होते हैं। वह समाज को रास्ता दिखाकर नई ऊँचाई प्रदान करते हैं। आज आधुनिकता के कारण समाज सिकुड़ता जा रहा है। सामाजिक सोच में बदलाव एवं अन्य कारणों से हम इस ओर ध्यान न देकर अपनी आँखे मूँदे बैठे हैं। यह मानसिकता समाज का विखण्डन करती जा रही है। विद्यार्थियों को परिवार में उचित वातावरण नही मिल पाता, जिसके कारण अपराध, हत्यायें, चोरी, बेईमानी, अश्लीलता, अशिष्टता इत्यादि दुर्गुण इनमें आ जाते हैं।

<u>सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन</u> :–

प्रस्तुत शोध पत्र में समस्या समाधान योग्यता व पारिवारिक वातावरण से सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन किया गया है। जिसमें समस्या समाधान योग्यता पर शर्मा (2007) द्वारा हायर सेकेण्डरी के विद्यार्थियों की समस्या समाधान योग्यता तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के निर्धारक के रुप में अध्ययन कार्य किया। इन्होंने अपने अध्ययन में पाया कि वर्तमान पाठ्यचर्या केवल सामान्य स्तर का वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा समस्या समाधान योग्यता विकसित करने में सहायक है। सुकुल (2007) द्वारा समस्या समाधान योग्यता पर व्यक्तिगत व समूह निर्धारण के प्रभाव का अध्ययन किया गया इन्होंने अपने अध्ययन में पाया कि व्सक्तिगत स्थिति समस्या समाधाप के लिए समूह सहभागिता से बेहतर होती है, समूह सहभागिता द्वारा समस्या समाधान की गति बढ़ जाती है। पाण्डेय (2009) ने अनौपचारिक एवं औपचारिक केन्द्रों के छात्रों के समस्या समाधान योग्यता पर योग्यता पर अध्ययन किया इस अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष इस प्रकार थे, जिसमें अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र के छात्रों का प्रदर्शन, औपचारिक शिक्षा केन्द्रों के प्रदर्शन प्रतिशत की दृष्टि से उच्च था। जोसेफ चाको (2010) ने + 2 के स्तर के विद्यार्थियों की समस्या समाधान योग्ता का अध्ययन पर्यावरणीय जागरुकता के सन्दर्भ में कहने पर धनात्मक सह सम्बन्ध पाया। विनोद कुमार शर्मा (2011) ने गतिविधि आधारित शिक्षण विद्यार्थियों की समस्या समाधा योग्यता एवं शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करने पर सार्थक सह सम्बन्ध पाया गया। कु0 संध्या शिवहरे (2011), पाठक (2013), किम व चोई (2014), स्टेनले (2014), कलाईमाथी (2015), गेरा कौर (2013) एवं पारिवारिक वातावरण पर एस0ए0 कोठारी (1984), रमा एवं रॉयल (2004), संजय शुक्ला (2010), चन्द्राकर शैल (2011), राजकिरण देवांगन (2011), रमेशधर द्विवेदी (2007), डॉ0 पी0के0 नायक (2018), सनतेष कुमार यादव (2018) ने अध्ययन कार्य किया। शिक्षा के क्षेत्र में भारत एवं विदेशों में पूर्व में किये गये उक्त शोध कार्यों का पुनरावलोकन करते समय शोधकर्ता ने पाया कि समस्या समाधान योग्यता एवं पारिवारिक वातावरण को संयुक्त रूप से लेकर किया गया शोध कार्य प्रकाश में नही आया है। अतः बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता का उनके पारिवारिक वातावरण के प्रभाव सम्बन्धित विषय पर शोधकर्ता द्वारा अध्ययन किया गया है।

समस्या कथनः–

''बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता का उनके पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में अध्ययन।''

समस्या का परिभाषीकरण :–

(अ) बी0.एड0 प्रषिक्षु :–

बी0एड0 प्रशिक्षुओं से तात्पर्य एन.सी.टी.ई. द्वारा संचालित द्विवर्षीय बी0एड0 पाठ्यक्रम में अध्ययन करने वाले छात्र–छात्राओं से है।

(ब) समस्या समाधान योग्यता :–

समस्या समाधान वह ढांचा या पैटर्न है जिसके भीतर सृजनात्मक चिन्तन और तर्क होता है। जिसके माध्यम से व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं के समक्ष उत्पन्न होने वाली समस्याओं का समाधान करता है।

(स) पारिवारिक वातावरण :–

पारिवारिक वातावरण से तात्पर्य सामाजिक अभिकरण परिवार को आवृत्त किये उन क्रियाओं से है, जो प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं।

अध्ययन के उद्देष्य :–

1. पुरूष बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता का पारिवारिक वातावरण के स्तर के सन्दर्भ में अध्ययन करना।
2. महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता का पारिवारिक वातावरण के स्तर के सन्दर्भ में अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पना :–

1. पुरुष बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता एवं उच्च पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में कोई सार्थक अन्तर नही है।
2. पुरुष बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता एवं मध्यम पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में कोई सार्थक अन्तर नही है।
3. पुरुष बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में कोई सार्थक अन्तर नही है।
4. महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता एवं उच्च पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में कोई सार्थक अन्तर नही है।
5. महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता एवं मध्यम पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में कोई सार्थक अन्तर नही है।
6. महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में कोई सार्थक अन्तर नही है।

अध्ययन का सीमांकन :–

1. प्रस्तुत अध्ययन हेतु उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर जनपद का ही चयन किया गया है।
2. अध्ययन में शाहजहाँपुर जनपद के 3 बी0एड0 कालेजों को शामिल किया गया है।

शोध विधि :–

प्रस्तुत शोध कार्य में आंकड़ों के संकलन हेतु प्रतिदर्श सर्वेक्षण पद्धति का प्रयोग किया गया है।

समष्टि :–

प्रस्तुत अध्ययन हेतु शोधकर्ता ने जनसंख्या के रूप में उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर जनपद के तीन महाविद्यालयों स्वामी शुकदेवानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाँधी फैज–ए–आम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सन् इन्सटीट्यूट कालेज ऑफ मैनेजमेन्ट में अध्ययनरत बी0एड0 प्रशिक्षुओं को लिया है ।

न्यादर्ष एवं न्यादर्ष की विधि :–

प्रस्तुत लघु शोध प्रबन्ध उत्तर प्रदेश के जनपद शाहजहाँपुर के तीन महाविद्यालयों स्वामी शुकदेवानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गांधी फैज–ए–आम स्नातकोत्तर महाविद्यालय तथा सन् इन्सटीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट शाहजहाँपुर से 57 महिला प्रशिक्षुओं तथा 43 पुरुष प्रशिक्षुओं को समस्या समाधान योग्यता पर उनके पारिवारिक वातावरण के संदर्भ में अध्ययन करने के लिए स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा न्यादर्श के रूप में चयनित किया गया है।

अनुसंधान हेतु प्रयुक्त उपकरण :–

प्रस्तुत अध्ययन हेतु शोधकर्ता द्वारा बी0एड0 प्रशिक्षुओं की समस्या समाधान योग्यता का मापन करने हेतु प्रो0 एल.एन. दुबे एवं डॉ. सी.पी. माथुर एवं पारिवारिक वातावरण का मापन करने के लिए डॉ0 हरप्रीत भाटिया तथा डॉ0 एन.के. चड्डा, नेशनल साइकोलॉजिकल कारपोरेशन, आगरा द्वारा निर्मित तथा प्रमापीकृत मापनी का प्रयोग किया गया।

प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ : –

प्राप्त आँकड़ों की सार्थकता स्पष्ट करने हेतु मध्यान मानक विचलन, क्रान्तिक अनुपात एवं ज–परीक्षण का प्रयोग किया गया।

आँकड़ों का विश्लेषण तथा विवेचना :–

तालिका–01

पुरूष बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता एवं उच्च पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में अध्ययन

चरों का वर्गीकरण	N	Mean	S.D.	SEd	t-Value	Df	सार्थकतास्तर	परिकल्पना
समस्या समाधान योग्यता	10	13.20	4.75	3.65	75.42	18	0.05	अस्वीकृत
उच्च पारिवारिक वातावरण	10	288.50	10.55					

तालिका संख्या 01 से स्पष्ट है कि 10 पुरुष बी0एड0 प्रशिक्षुओं के समस्या समाधान योग्यता के प्राप्तांकों का माध्य 13.20 तथा मानक विचलन 4.75 है तथा उनके उच्च पारिवारिक वातावरण के प्राप्तांकों का माध्य 288.50 तथा मानक विचलन 10.55 है। दोनों समूहों के माध्य के अन्तर में प्रमाप विभ्रम का भाग देने पर t-अनुपात 75.42 प्राप्त हुआ है।

RRIJM 2015, All Rights Reserved

परिगणित ज.अनुपात 75.42 की तुलना 18 स्वतन्त्र्यांश के लिए 0.05 सार्थकता स्तर पर निर्धारित तालिका मूल्य 2.10 से करने पर अधिक प्राप्त हुआ है। अतः अन्तर सार्थक है और शून्य परिकल्पना को अस्वीकार किया जाता है और कहा जा सकता है कि पुरूष बी0एड0 प्रशिक्षुओं की समस्या समाधान योग्यता एवं उच्च पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक अन्तर है।

तालिका–02

पुरूष बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता एवं मध्यम पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में अध्ययन

चरों का वर्गीकरण	N	Mean	S.D.	SEd	t-Value	Df	सार्थकता स्तर	परिकल्पना
समस्या समाधान योग्यता	22	12.32	3.30	1.29	194.78	42	0.05	अस्वीकृत
मध्यम पारिवारिक वातावरण	22	263.59	6.25					

तालिका संख्या 02 से स्पष्ट है कि 22 पुरूष बी0एड0 प्रशिक्षुओं के समस्या समाधान योग्यता के प्राप्तांकों का माध्य 12.32 तथा मानक विचलन 3.30 है तथा उनके मध्यम पारिवारिक वातावरण के प्राप्तांकों का माध्य 263.59 तथा मानक विचलन 6.25 है। दोनों समूहों के माध्य के अन्तर से प्रमाप विभ्रम का भाग देने पर ज.अनुपात 194.78 प्राप्त हुआ है। परिगणित t-अनुपात 194.78 की तुलना 42 स्वतन्त्र्यांश के लिए 0.05 सार्थकता स्तर पर निर्धारित तालिका मूल्य 2.02 से करने पर अधिक प्राप्त हुआ है। अतः अन्तर सार्थक है और शून्य परिकल्पना को अस्वीकार किया जाता है और कहा जा सकता है कि पुरूष बी0एड0 प्रशिक्षुओं की समस्या समाधान योग्यता एवं मध्यम पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक अन्तर है।

तालिका–03

पुरूष बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में अध्ययन

चरों का वर्गीकरण	N	Mean	S.D.	SEd	t-Value	Df	सार्थकता स्तर	परिकल्पना
समस्या समाधान योग्यता	11	11.63	2.85	3.32	67.77	20	0.05	अस्वीकृत
निम्न पारिवारिक वातावरण	11	236.63	10.65					

तालिका संख्या 03 से स्पष्ट है कि 11 पुरूष बी0एड0 प्रशिक्षुओं के समस्या समाधान योग्यता के प्राप्तांकों का माध्य 11.63 तथा मानक विचलन 2.85 है तथा उनके निम्न पारिवारिक वातावरण के प्राप्तांकों का माध्य 236.63 तथा मानक विचलन 10.65 है। दोनों समूहों के माध्य के अन्तर में प्रमाप विभ्रम का भाग देने पर t.अनुपात 67.77 प्राप्त हुआ है। परिगणित t-अनुपात 67.77 की तुलना 20 स्वतन्त्र्यांश के लिए 0.05 सार्थकता स्तर पर निर्धारित तालिका मूल्य 2.09 से करने पर अधिक प्राप्त हुआ है। अतः अन्तर सार्थक है और शून्य परिकल्पना को अस्वीकार किया जाता है और कहा जा सकता है कि पुरूष बी0एड0 प्रशिक्षुओं की समस्या समाधान योग्यता एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक अन्तर है।

तालिका–04

महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता एवं उच्च पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में अध्ययन

चरों का वर्गीकरण	N	Mean	S.D.	SEd	t-Value	Df	सार्थकता स्तर	परिकल्पना
समस्या समाधान योग्यता	14	8.35	4.75	2.89	97.50	26	0.05	अस्वीकृत
उच्च पारिवारिक वातावरण	14	290.15	9.75					

तालिका संख्या 04 से स्पष्ट है कि 14 महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं के समस्या समाधान योग्यता के प्राप्तांकों का माध्य 8.35 तथा मानक विचलन 4.75 है तथा उनके उच्च पारिवारिक वातावरण के प्राप्तांकों का माध्य 290.15 तथा मानक विचलन 9.75 है। दोनों समूहों के माध्य के अन्तर में प्रमाप विभ्रम का भाग देने पर t-अनुपात 97.50 प्राप्त हुआ है। परिगणित t-अनुपात 97.50 की तुलना 26 स्वतन्त्र्यांश के लिए 0.05 सार्थकता स्तर पर निर्धारित तालिका मूल्य 2.06 से करने पर अधिक प्राप्त हुआ है। अतः अन्तर सार्थक है और शून्य परिकल्पना को अस्वीकार किया जाता है और कहा जा सकता है कि महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं की समस्या समाधान योग्यता एवं उच्च पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक अन्तर है।

RRIJM 2015, All Rights Reserved

तालिका–05

महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता एवं मध्यम पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में अध्ययन

चरों का वर्गीकरण	N	Mean	S.D.	SEd	t-Value	Df	सार्थकता स्तर	परिकल्पना
समस्या समाधान योग्यता	28	8.53	3.35	1.62	155.20	54	0.05	अस्वीकृत
मध्यम पारिवारिक वातावरण	28	259.96	7.90					

तालिका संख्या 05 से स्पष्ट है कि 28 महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं के समस्या समाधान योग्यता के प्राप्तांकों का माध्य 8.53 तथा मानक विचलन 3.35 है तथा उनके मध्यम पारिवारिक वातावरण के प्राप्तांकों का माध्य 259.96 तथा मानक विचलन 7.90 है। दोनों समूहों के माध्य के अन्तर से प्रमाप विभ्रम का भाग देने पर ज.अनुपात 155.20 प्राप्त हुआ है। परिगणित t-अनुपात 155.20 की तुलना 54 स्वतन्त्र्यांश के लिए 0.05 सार्थकता स्तर पर निर्धारित तालिका मूल्य 2.01 से करने पर अधिक प्राप्त हुआ है। अतः अन्तर सार्थक है और शून्य परिकल्पना को अस्वीकार किया जाता है और कहा जा सकता है कि महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं की समस्या समाधान योग्यता एवं मध्यम पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक अन्तर है।

तालिका–06

महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में अध्ययन

चरों का वर्गीकरण	N	Mean	S.D.	SEd	t-Value	Df	सार्थकता स्तर	परिकल्पना
समस्या समाधान योग्यता	15	10.67	4.40	2.67	83.39	28	0.05	अस्वीकृत
निम्न पारिवारिक वातावरण	15	233.33	9.40					

तालिका संख्या 06 से स्पष्ट है कि 15 महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं के समस्या समाधान योग्यता के प्राप्तांकों का माध्य 10.67 तथा मानक विचलन 4.40 है तथा उनके निम्न पारिवारिक वातावरण के प्राप्तांकों का माध्य 233.33 तथा मानक विचलन 9.40 है। दोनों समूहों के माध्य के अन्तर में प्रमाप विभ्रम का भाग देने पर ज.अनुपात 83.39 प्राप्त हुआ है। परिगणित t-अनुपात 83.39 की तुलना 28 स्वतन्त्र्यांश के लिए 0.05 सार्थकता स्तर पर निर्धारित तालिका मूल्य 2.05 से करने पर अधिक प्राप्त हुआ है। अतः अन्तर सार्थक है और शून्य परिकल्पना को अस्वीकार किया जाता है और कहा जा सकता है कि महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं की समस्या समाधान योग्यता एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के मध्य सार्थक अन्तर है।

अध्ययन का निष्कर्ष :–

आँकड़ों के विश्लेषण से निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हुए –

पुरुष प्रशिक्षुओं की समस्या समाधान योग्यता पर पारिवारिक वातावरण के घटकों का प्रभाव देखा गया।

(1) उच्च पारिवारिक वातावरण
(2) मध्यम पारिवारिक वातावरण
(3) निम्न पारिवारिक वातावरण

अर्थात पुरूष बी0एड0 प्रशिक्षुओं की समस्या समाधान योग्यता पर उच्च पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करने पर उनमें समस्या समाधान योग्यता का स्तर कम पाया गया। उच्च पारिवारिक वातावरण के छात्रों को सुविधायें अधिक प्राप्त होने के कारण वह आरामतलब हो जाते हैं। इसलिए उच्च पारिवारिक वातावरण के बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता का विकास कम हो पाता है।

पुरूष बी0एड0 प्रशिक्षुओं की समस्या समाधान योग्यता पर मध्यम पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करने पर उनमें समस्या समाधान योग्यता का स्तर उच्च पाया गया। मध्यम पारिवारिक वातावरण के छात्रों को अधिक संघर्ष करना पड़ता है। उनके सामने अधिक समस्यायें आती हैं। इसलिए मध्यम पारिवारिक वातावरण के बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता का अधिक विकास होता है।

पुरूष बी0एड0 प्रशिक्षुओं की समस्या समाधान योग्यता पर निम्न पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करने पर उनमें समस्या समाधान का स्तर अत्यन्त निम्न पाया गया। निम्न पारिवारिक वातावरण के छात्रों को मार्गदर्शन कम प्राप्त हो पाता है और वह समस्याओं के प्रति भी ज्यादा जागरूक नहीं होते हैं। इसलिए निम्न पारिवारिक वातावरण के बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता का कम विकास हो पाता है।

3. महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं की समस्या समाधान योग्यता पर विविध पारिवारिक वातावरण के घटकों का प्रभाव देखा गया –

(1) उच्च पारिवारिक वातावरण
(2) मध्यम पारिवारिक वातावरण

RRIJM 2015, All Rights Reserved

(3) निम्न पारिवारिक वातावरण

अर्थात महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं की समस्या समाधान योग्यता पर उच्च पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करने पर उनमें समस्या समाधान योग्यता का स्तर उच्च पाया गया। उच्च वर्ग की छात्राओं को अधिक स्वतन्त्रता और अधिकार प्राप्त होते हैं उनको घर में व घर के बाहर विभिन्न कार्यों को करने की अधिक स्वतन्त्रता प्राप्त होती है। इसलिए उच्च पारिवारिक वातावरण की बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता का अधिक विकास होता है।

महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं की समस्या समाधान योग्यता पर मध्यम पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करने पर उनमें समस्या समाधान योग्यता का स्तर कम पाया गया। मध्यम पारिवारिक वातावरण की प्रशिक्षुओं को कम स्वतन्त्रता प्राप्त होती है। उन्हें बाहर जाने का अवसर भी कम प्राप्त होता है। इसलिए मध्यम पारिवारिक वातावरण की बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता का स्तर निम्न होता है।

महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं की समस्या समाधान योग्यता पर निम्न पारिवारिक वातावरण का अध्ययन करने पर उनमें समस्या समाधान का स्तर अत्यन्त निम्न पाया गया। निम्न पारिवारिक वातावरण की बी0एड0 प्रशिक्षुओं की आर्थिक स्थिति कम होने के कारण उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति न होने के कारण उनमें हीन भावना का विकास होता है। परिवार में शिक्षा का स्तर भी निम्न होता है। इसलिए निम्न पारिवारिक वातावरण की बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता का स्तर अत्यन्त निम्न पाया गया।

शैक्षिक निहितार्थ

पुरूष एवं महिला बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता के स्तर को उठाने की आवश्यकता है। इसके लिए बी0एड0 प्रशिक्षण कार्यक्रम में सैद्धान्तिक विषयों के स्थान पर व्यवहारिक कार्यक्रमों को ज्यादा वरीयता दी जानी चाहिए। इस सन्दर्भ में बी0एड0 प्रशिक्षुओं में समस्या समाधान योग्यता का विकास कराने के लिए

सेमिनारों, कार्यशालाओं, भाषण, वाद–विवाद प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक प्रतिभाग करने की आवश्यकता है। बी0एड0 प्रशिक्षण काल में प्रोजेक्ट विधि, समस्या समाधान विधि व करके सीखने की विधि का प्रयोग किया जाना चाहिए।

सन्दर्भ–

- मन (1967) : डी0एन0 श्रीवास्तव, मनोवैज्ञानिक प्रक्रियायें, अग्रवाल प्रकाशन, आगरा, पृष्ठ सं0 296।
- आइजेंक (1972) : डी0एन0 श्रीवास्तव, मनोवैज्ञानिक प्रक्रियायें, अग्रवाल प्रकाशन, आगरा, 2012, पृष्ठ सं0–297।
- जॉन्सन (1972) : आर0एन0 सिंह, एस0एस0 भारद्वाज, उच्च प्रायोगिक मनोविज्ञान, अग्रवाल प्रकाशन, आगरा पृष्ठ सं0 519।
- बोर्न (1978) : डी0एन0 श्रीवास्तव, मनोवैज्ञानिक प्रक्रियायें, अग्रवाल प्रकाशन, आगरा, 2012, पृष्ठ सं0–297।
- कौल, लोकेश (1998) : रिसर्च मैथडोलॉजी ऑफ एजुकेशन, अल्फा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
- राय, पारसनाथ (2002) : अनुसंधान परिचय, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल प्रकाशन, आगरा–3।
- बैरन तथा सैन्ट्राक (2005) : आर0एन0 सिंह, एस0एस0 भारद्वाज, उच्च प्रायोगिक मनोविज्ञान, अग्रवाल प्रकाशन, आगरा, पृष्ठ सं0 521।
- सिंह, डी0आर0 (2005) : एनसाइक्लोपीडिया डिक्शनरी ऑफ एजुकेशन, कामनवेल्थ पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
- सिंह, एस0 (2005) : डिक्शनरी ऑफ साइकोलॉजी, मोहित पब्लिकेशन, दिल्ली।
- शर्मा, आर0ए0 (2009) : शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व एवं शोध प्रक्रिया, विनय खरेजा, आर0 लाल बुक डिपो, मेरठ।
- अग्निहोत्री, रवीन्द्र (2010) : आधुनिक भारतीय शिक्षा : समस्याएँ और समाधान, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
- गुप्ता, एस0पी0 (2010) : उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
- गुप्ता, एस0पी0 (2010) : सांख्यिकीय विधियाँ, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
- भार्गव, महेश (2010) : आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन, एच0पी0 भार्गव बुक हाउस, आगरा।
- काई एवं ग्लेसर (2011) : आर0एन0 सिंह, एस0एस0 भारद्वाज, उच्च प्रायोगिक मनोविज्ञान, अग्रवाल प्रकाशन, आगरा, पृष्ठ सं0 519।

RRIJM 2015, All Rights Reserved